नईदुनिया

बिरसा मुंडा के आदर्श समाज और राष्ट्र सेवा की प्रेरणा : डॉ. यादव

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जननायक भगवान बिरसा मुंडा ने 25 वर्ष की आयु में अंग्रेजों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। वे अपने समाज और राष्ट्रहित में किए गए कार्यों तथा आदर्शों के कारण पूजनीय बने। मुख्यमंत्री रविवार को भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती पर आलीराजपुर जिले के जोबट में आयोजित शुभ नीर स्वागतम कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। डॉ. यादव ने कहा कि सरकार जनजातीय समाज के विकास और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। अनुसूचित जाति-जनजाति विभाग का बजट बढ़ाकर 47 हजार करोड़ रुपये किया गया है। प्रदेश में ग्रामीण परिवारों को संपत्ति का मालिकाना हक दिलाने के लिए निशुल्क रजिस्ट्री अभियान भी चलाया जा रहा है। कम वर्षा



को देखते हुए मुख्यमंत्री ने कलेक्टर को फसलों का सर्वे कराकर किसानों को उचित मुआवजा देने के निर्देश दिए। उन्होंने जोबट क्षेत्र में नई सड़क बनाने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में 57 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया गया।

बिरसा मुंडा का जीवन त्याग, संघर्ष और स्वाभिमान की प्रेरणादायी गाथा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा का जीवन त्याग, संघर्ष, साहस और स्वाभिमान की प्रेरणादायी गाथा है। उन्होंने अंग्रेजी शासन के अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष कर जनजातीय समाज को अपने अधिकारों, संस्कृति और परंपराओं के प्रति जागरूक किया। उनका संघर्ष आज भी अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री रविवार को जनजातीय गौरव दिवस पर बड़वानी जिले के निवाली में आयोजित कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। इस अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण किया गया। डॉ. यादव ने कहा कि जल, जंगल, जमीन, संस्कृति और परंपराओं की रक्षा करना हमारा दायित्व है। मुख्यमंत्री ने वन अधिकार योजना के हितग्राहियों से वर्चुअली चर्चा भी की। ग्राम आमझिरी के अकरभाई धनसिंह ने 2.5 हेक्टेयर भूमि का व्यक्तिगत वन अधिकार पत्र मिलने पर आभार जताया। कार्यक्रम में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, हेमंत खंडेलवाल, डॉ. गौतम टेटवाल सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने जनजातीय गीतों और ग्रामीणों ने मोरपंखी नृत्य की प्रस्तुति दी।

गांधीसागर से निकलेगा उजाले का आदेश पचास साल के अंधेरे पर लगेगी मुहर

गांधीसागर बांध से डॉ. शिशिर उपाध्याय



मध्य प्रदेश में बिजली को लेकर अब तक का सबसे बड़ा धमाका होने जा रहा है। डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार, देश के प्रधानमंत्री के हर घर में उजियारा पहुंचाने के सपने को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। 18 नवंबर को गांधीसागर की लहरों के बीच होने वाली डेस्टिनेशन कैबिनेट में एक ऐसा फैसला होगा, जिसकी रोशनी सीधे झोपड़ी तक पहुंचेगी। फैसला है 1,815 मजरे-टोलों को रोशन करने का। ये वे टोले हैं, जहां आज भी बिजली का मतलब सिर्फ चुनावी भाषण है। जहां बच्चे आज भी डिबरी में पढ़ते हैं और मां आज भी चूल्हे की रोशनी में रोटी सेंकती है। इन टोलों में रहने वाले 46,574 परिवारों के लिए 700 करोड़ रुपये के उजाला पैकेज को मंजूरी मिलने जा रही है। फाइलों में बंद इस अंधेरे की हकीकत बहुत डरावनी है।

ऊर्जा विभाग की रिपोर्ट कहती है कि कुल 1,815 में से 700 टोले पश्चिम क्षेत्र के, 835 टोले मध्य क्षेत्र के और 280 टोले पूर्व क्षेत्र के हैं। पश्चिम में 23,730 घर, मध्य में 15,337 घर और पूर्व में 7,507 घर आज भी बिना स्विच के जी रहे हैं। यानी दो लाख से ज्यादा आबादी आज भी सुई में धागा तक दिन में डालती है, क्योंकि रात में दिखाई ही नहीं देता। इनमें सबसे ज्यादा बैगा, भारिया और सहरिया आदिवासी टोले हैं, जो जंगल के भीतर, पहाड़ की चोटी पर और नदी के पार बसे हैं। सरकार ने इस बार केवल घोषणा नहीं की, बल्कि पूरी तैयारी कर ली है। 700 करोड़ रुपये के बजट में 100 करोड़ रुपये सरकारी भवनों के लिए, 195 करोड़ रुपये इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए और बाकी पैसा तार, खंभे, ट्रांसफार्मर और सोलर प्लांट के लिए रखा गया है। मध्य क्षेत्र को 28 करोड़, पूर्व क्षेत्र को 38 करोड़ और पश्चिम क्षेत्र को 26 करोड़ रुपये का अलग बजट दिया गया है। प्लान साफ है, जहां लाइन जा सकती है, वहां लाइन जाएगी और जहां नहीं जा सकती, वहां सूरज से बिजली बनेगी। सोलर माइक्रोग्रिड लगेगा, बैटरी लगेगी और रात में भी टोला जगमगाएगा।

अब सवाल वही है, जो हर टोले वाला पूछता है कि हमें अब तक अंधेरे में क्यों रखा गया? जवाब है सरकारी परिभाषा का खेल। गांव को रोशन मान लिया जाता था, यदि चौराहे पर एक ट्रांसफार्मर लग गया, लेकिन उसी गांव के बाहर दो किलोमीटर दूर बसे 20 घरों के टोले छूट जाते थे, क्योंकि वहां वोट कम थे, रास्ता नहीं था और अफसर जाना नहीं चाहते थे। नेता आते थे, वादा करते थे और टॉर्च दिखाकर चले जाते थे। अब उसी टोले तक सरकार खुद चलकर जा रही है।

सोचिए, जब पहली बार बल्ब जलेगा तो क्या होगा? टोले का बच्चा बोलेगा, क्या यही है आजादी? महिला शाम को भी सिलाई करेगी, दुकानदार रात आठ बजे तक दुकान खोलेगा, मोबाइल चार्ज होगा तो खबर आएगी, पंखा चलेगा तो बूढ़ा सोएगा और टीवी चलेगा तो दुनिया दिखेगी। एक बल्ब पूरे टोले की किस्मत बदल देगा। बिजली से इज्जत आएगी और बराबरी भी आएगी। टोला भी कहेगा कि हम भी मध्य प्रदेश हैं। रास्ता फूलों वाला नहीं, कांटों वाला है। जंगल में खंभा गाड़ना आसान नहीं है, पहाड़ पर ट्रांसफार्मर ले जाना आसान नहीं है और नदी पार तार खींचना आसान नहीं है। इसलिए सरकार ने दो साल का लक्ष्य रखा है और स्थानीय युवाओं को ही नौकरी देने का प्लान बनाया है। जो लड़का टोले में रहता है, वही लाइन ठीक करेगा, ताकि रात में फॉल्ट हो तो भोपाल से टीम न बुलानी पड़े।

गांधीसागर से इस फैसले का ऐलान खुद में एक कहानी है। गांधीसागर बिजली बनाता है और वहीं से अंधेरे को मिटाने का आदेश निकलेगा। यह संदेश है कि सरकार अब एसी से नहीं, जमीन से फैसले लेगी। 18 नवंबर को कैबिनेट की मुहर लगेगी और उसके बाद हर महीने एक टोला रोशन होगा। जिस दिन आखिरी टोले में स्विच ऑन होगा, उस दिन मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य बन जाएगा, जिसने कहा था कि कोई भी मजरा अंधेरे में नहीं रहेगा।

शैलेन्द्र वर्मा बने राज्य बार काउंसिल के अध्यक्ष

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्य प्रदेश राज्य बार काउंसिल के चुनाव में जबलपुर के वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेन्द्र वर्मा अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। रविवार को जबलपुर में हुए चुनाव में उन्होंने ग्वालियर के अधिवक्ता जितेन्द्र शर्मा को तीन मतों से पराजित किया। वर्मा को 14 मत मिले, जबकि शर्मा के पक्ष में 11 सदस्यों ने मतदान किया। इंदौर की अधिवक्ता प्रतिभा वालिया उपाध्यक्ष और गौरव मिश्रा कोषाध्यक्ष चुने गए। बार काउंसिल के इतिहास में पहली बार पदाधिकारियों का चयन हाथ उठाकर समर्थन जताने की पुरानी परंपरा के बजाय गुप्त मतदान के माध्यम से किया गया। निर्वाचन अधिकारी एवं महाधिवक्ता प्रशांत सिंह की देखरेख में पूरी चुनाव प्रक्रिया संपन्न हुई। मतदान में परिषद के सभी 25 निर्वाचित सदस्यों ने हिस्सा लिया और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इससे पहले पदाधिकारियों के चयन में सर्वसम्मति से हाथ उठाकर समर्थन जताने की परंपरा रही है। इस बार चुनाव के लिए गुप्त मतदान का तरीका अपनाया गया। अध्यक्ष पद के लिए हुए मुकाबले में शैलेन्द्र वर्मा ने 14 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की। उनके प्रतिद्वंद्वी जितेन्द्र शर्मा को 11 मत मिले। इस तरह वर्मा ने तीन मतों के अंतर से अध्यक्ष पद हासिल किया। चुनाव प्रक्रिया का संचालन निर्वाचन अधिकारी प्रशांत सिंह ने किया। सभी 25 निर्वाचित सदस्यों की भागीदारी से मतदान संपन्न हुआ। प्रतिभा वालिया और गौरव मिश्रा के निर्वाचन के साथ परिषद के नए पदाधिकारियों का चयन पूरा हुआ।

सीएम 342.61 करोड़ के विकास कार्यों की देंगे सौगात

नप्र, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जनजातीय गौरव सप्ताह के अंतर्गत 16 नवंबर को शहडोल जिले के ब्यौहारी में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में 342.61 करोड़ रुपये के 69 विकास कार्यों की सौगात देंगे। इनमें 341.67 करोड़ रुपये के 67 कार्यों का भूमिपूजन और 94 लाख रुपये के दो कार्यों का लोकार्पण शामिल है। भूमिपूजन होने वाले कार्यों में ऊर्जा विभाग के 291.51 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले दो विद्युत उपकेंद्र प्रमुख हैं। इनमें जयसिंह नगर में 109.26 करोड़ और पपौंध में 182.25 करोड़ रुपये की लागत से उपकेंद्रों का निर्माण होगा। इसके अलावा जनजातीय कार्य विभाग के 35.66 करोड़ रुपये के 61 कार्यों में छात्रावासों और विद्यालयों में विभिन्न निर्माण कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री शासकीय महाविद्यालय बाणसागर के 13.09 करोड़ रुपये के विकास कार्य, वन विभाग के दो कार्य और ग्रामीण बाजार का भी भूमिपूजन करेंगे।

बंगाल की खाड़ी में बनने जा रहा है भीषण चक्रवाती तूफान

लुढ़केगा दिन का तापमान



नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः बंगाल की खाड़ी में अवदाब का क्षेत्र बनने के कारण कुछ नमी आने का सिलसिला शुरू हो सकता है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक नमी बढ़ने से मध्य प्रदेश में बादल आ सकते हैं। जिसके चलते सोमवार से दिन के तापमान में कुछ कमी आ सकती है, लेकिन रात के तापमान में मामूली बढ़ोतरी होने की संभावना है। उधर शनिवार-रविवार की दरमियानी रात प्रदेश में सबसे कम 11.5 डिग्री सेल्सियस तापमान कटनी के करौंदी में दर्ज किया गया। रविवार को दिन का सबसे अधिक 34 डिग्री सेल्सियस तापमान खजुराहो में रिकार्ड हुआ।

मौसम विज्ञान केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी में बना गहरा कम दबाव का क्षेत्र आगे बढ़ते हुए और शक्तिशाली होकर रविवार को अवदाब के क्षेत्र में बदल गया है। वर्तमान में यह दक्षिण-पूर्व और उससे लगी दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में है। इसके उत्तर, उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ते हुए सोमवार को दक्षिण और उससे लगी पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के मध्य भाग में चक्रवाती तूफान में परिवर्तित होने की संभावना है। साथ ही मंगलवार को इसके पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में प्रचंड चक्रवाती तूफान में बदलने के भी आसार हैं। पश्चिमी विक्षोभ वर्तमान में उत्तरी पाकिस्तान और उसके आसपास हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में बना हुआ है। इसके साथ एक द्रोणिका भी संलग्न है। उधर दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान और उसके आसपास भी हवा के ऊपरी भाग में एक चक्रवात बना हुआ है। मौसम विज्ञानी पीके रायकवार ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में बने अवदाब के प्रभाव से कुछ नमी आने की संभावना है। इस वजह से सोमवार से कुछ बादल छा सकते हैं। इससे दिन के तापमान में गिरावट होगी, जबकि न्यूनतम तापमान कुछ बढ़ने लगेंगे। इस तरह की स्थिति तीन-चार दिन तक बनी रह सकती है।

सत्ता के गलियारे...

डॉ. शिशिर उपाध्याय



• शक्ति प्रदर्शन...



मध्यप्रदेश में इन दिनों अपने-अपने स्तर पर शक्ति प्रदर्शन की बड़ी चर्चा हो रही है। पिछले दिनों अपने क्षेत्र में हुए एक मामले में अपनी ही सरकार के खिलाफ खड़े दिखाई दिए माननीय ने कुछ दिन पहले फिर कुछ ऐसा किया, जिससे वे प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश में चर्चा का विषय बन गए। उन्होंने हजारों समर्थकों एवं राजनीतिक हस्तियों को अपने साथ खड़ा दिखाकर एक बार फिर अपनी ताकत दिखाने की कोशिश की है, लेकिन जनता के गलियारों में यह चर्चा है कि आखिर यह ताकत किसे दिखा रहे हैं?



• फिर उम्मीद की किरण...

एक माननीय लंबे समय से अपने भाग्योदय का इंतजार कर रहे हैं। उन्हें कुछ महत्वपूर्ण इनपुट मिले हैं कि खाली पड़े कुछ निगम-मंडलों एवं विकास प्राधिकरणों में नियुक्तियां होने की संभावना है। ऐसे में कुछ पूर्व माननीय फिर उम्मीद लगाए पूरी ताकत झोंक रहे हैं।

• जाना भी है, छुपाना भी है...



मध्यप्रदेश के एक बड़े माननीय के यहां जाने को लेकर उनके ही पुराने साथी लाभ-हानि तलाश रहे थे। कुछ रात के अंधेरे में गए तो कुछ ने गोपनीयता बरतते हुए जाना उचित समझा। हमेशा कैमरों की चकाचौंध में रहने और छोटे-छोटे आयोजनों में शामिल होने पर सोशल मीडिया, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर नजर आने वाले कुछ माननीयों ने इस आयोजन में शामिल होने का कोई भी वीडियो फुटेज या फोटो गलती से भी कहीं दिखाई न दे, यह सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश की। लेकिन बात तो बाहर आ ही जाती है।



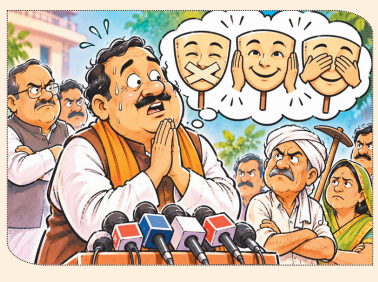
• किताब पर प्रतिक्रिया...

पिछले दिनों देश की एक बहुचर्चित किताब पर कुछ माननीय प्रतिक्रिया देने और सबसे पहले अपनी प्रतिक्रिया अखबारों, चैनलों और सोशल मीडिया पर आने की होड़ में लगे दिखाई दिए। उन्हें उम्मीद है कि इस पर प्रतिक्रिया देने से उनके नंबर बढ़ते हैं।

• बर्फ पिघलने लगी...



सर्दी में जमी बर्फ पिघलने की बात नहीं, बल्कि राजनीतिक संबंधों में जमी बर्फ की बात है। आपसी संवादहीनता और कटुता को दूर करने के लिए एक माननीय के निवास पर हुई अचानक बैठक से यह उम्मीद जगी है कि अब संबंधों में जमी बर्फ पिघलेगी और कोई नई राह निकलेगी।



• बयान पर सफाई...

हमेशा अपने बयानों से संगठन और सरकार को संकट में डालने वाले एक साहब फिर एक बार अन्नदाता के खिलाफ बोलकर बैकफुट पर हैं। हालांकि, उन्होंने पुराना रटाया हुआ जवाब दिया कि उनके बयान को गलत तरीके से प्रचारित किया गया, लेकिन उन्होंने गलत बयान दिया है, यह स्वीकार करने में माननीय कतराते नजर आए। उन्होंने माफी जरूर मांगी, लेकिन अपने तरीके से।

मास्टर प्लान 2047 की सुनवाई प्रक्रिया पर सवाल



नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भोपाल विकास योजना (मास्टर प्लान) 2047 के प्रारूप पर आपत्तियों की सुनवाई प्रक्रिया को लेकर संयुक्त रहवासी संघर्ष समिति ने प्रशासन पर नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया है। समिति ने सुनवाई की व्यवस्था, नोटिस जारी करने और प्रस्ताव तैयार करने की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए पारदर्शिता की मांग की है। अरेरा कॉलोनी के रहवासी एवं याचिकाकर्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा कि मास्टर प्लान की त्रुटियां दूर नहीं की गईं और भूमाफियाओं को लाभ पहुंचाने का प्रयास जारी रहा, तो इसे न्यायालय में चुनौती दी जाएगी। समिति के अनुसार, आपत्तियां नगर तथा ग्राम निवेश कार्यालय में जमा कराई गई थीं, लेकिन सुनवाई 15 किलोमीटर दूर तहसील कार्यालय में रखी गई है। नियमों के अनुसार सात दिन पहले लिखित नोटिस देने का प्रावधान है, जबकि नागरिकों को दो से चार दिन पहले वाट्सएप से सूचना भेजी जा रही है। समिति ने निर्धारित प्रारूप-7 में नोटिस जारी नहीं किए जाने पर भी आपत्ति जताई है। समिति ने कहा कि नए प्रारूप से पहले हितधारकों की बैठक नहीं हुई। साथ ही जिला योजना समिति की भूमिका की अनदेखी और सीईपीटी की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं किए जाने पर भी सवाल उठाए हैं। समिति ने अधिनियम 1973 और नियम 2012 के प्रावधानों के अनुरूप सुनवाई प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की है।

हिंदी ग्रंथ अकादमी के प्रबंधक मंडल की बैठक मंत्रालय में आज

नप्र, भोपालः उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार की अध्यक्षता में 16 नवंबर को भोपाल स्थित मंत्रालय में मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी के प्रबंधक मंडल की बैठक आयोजित होगी। अकादमी के संचालक अशोक कड़ेल के अनुसार बैठक में अकादमी के सुदृढ़ीकरण, पुस्तक प्रकाशन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप पाठ्य सामग्री निर्माण, कर्मचारी कल्याण, प्रशासनिक सुधार और शैक्षणिक गतिविधियों के विस्तार पर चर्चा होगी। बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन, आयुक्त प्रबल सिपाहा, वित्त विभाग के सचिव, विश्वविद्यालयों के कुलगुरु और अकादमी के प्रबंधक मंडल के सदस्य उपस्थित रहेंगे।

परंपरा *धार जिले के डही विकासखंड के ग्राम टिमरिया में ...*

जनजातीय परिवार के साथ राज्यपाल ने किया पारंपरिक भोजन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर धार जिले के डही विकासखंड के ग्राम टिमरिया (स्कूलपुरा) में जनजातीय कृषक भूपेंद्र अलावा के घर पहुंचकर उनके परिवार के साथ पारंपरिक भोजन किया। इस दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर भी उपस्थित रहीं।

राज्यपाल ने परिवार के सदस्यों से आत्मीय संवाद किया और जनजातीय परंपरा के अनुसार परोसे गए व्यंजनों का स्वाद लिया। भोजन में बाजरे और ज्वार की रोटी, मेथी की भाजी, उड़द की दाल तथा लहसुन-धनिया की



पारंपरिक चटनी (ठेचा) शामिल थी। भोजन के बाद राज्यपाल ने परिवार के बच्चों से मुलाकात कर उन्हें स्नेह दिया। उन्होंने परिवार के सदस्यों के साथ घर के आंगन में तस्वीरें भी खिंचवाईं। राज्यपाल के सहज और आत्मीय व्यवहार से परिवार सहित ग्रामीणों में उत्साह दिखाई दिया। केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि जनजातीय समाज की सादगी, अपनापन और समृद्ध खान-पान की परंपरा हमारी सांस्कृतिक विरासत का अनमोल हिस्सा है। हमारी संस्कृति और विरासत ही हमारी पहचान और गौरव है।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com